Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

हरकी पैड़ी पर श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

अनलॉक 1

देवभूमि उत्तराखंड में खुले धार्मिक स्थल

■ सीमित संख्या में ही श्रद्धालु दर्शनों को पहुंचे

संवाददाता

देहरादून। देवभूमि उत्तराखंड में धार्मिक स्थल श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खुल गए हैं। धर्मनगरी हरिद्वार और तीर्थनगरी ऋषिकेश समेत अन्य शहरों में नियमों के साथ ही श्रद्धालुओं को मंदिर में प्रवेश दिया जा रहा है। पहले दिन हरकीपैड़ी पर भीड़ नजर नहीं आई। सीमित संख्या में ही श्रद्धालु दर्शनों को पहुंचे और गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। फिलहाल, बाहर से आने वाले तीर्थयात्रियों को अनुमति नहीं दी गई है। इसके साथ ही सरकार ने चारधाम यात्रा का जिम्मा चारधाम देवस्थानम बोर्ड पर छोड़ दिया है। बोर्ड संबंधित जिला प्रशासन और हक–हकूकधारियों से बातचीत करने के बाद सशर्त चारधाम यात्रा को खोलने के संबंध में निर्णय लेगा। इस दौरान आमजन के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए उचित एहतियाती कदम उठाए जाएंगे। दर्शन और पूजा के लिए भी प्रोटोकॉल तय किया जाएगा।

उत्तराखंड में देहरादून नगर निगम क्षेत्र और विभिन्न जिलों में सभी कंटेनमेंट जोन को छोड़ शेष प्रदेश में कोरोना संक्रमण के चलते बंद धार्मिक स्थलों में करीब ढाई महीने बाद गतिविधियां शुरू हो गई हैं। हरिद्वार में हरकी पैड़ी के अलावा मंसा देवी, चंडी देवी, माया देवी, बिल्केश्वर महादेव, दक्षेश्वर महादेव आदि मंदिरों को सैनिटाइज करने के साथ ही यहां पूजा अर्चना के लिए विशेष तैयारी की गई।

मंदिरों में आने वाले श्रद्धालुओं को शारीरिक दूरी समेत अन्य मानकों का कड़ाई से पालन कराने के लिए मंदिर समितियों की ओर से विशेष इंतजाम किए गए हैं। बगैर मास्क श्रद्धालुओं को प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। श्रीमाया देवी मंदिर में पूजा अर्चना के बाद जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरी महाराज ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सभी निर्देशों का पालन किया गया है।

हरकी पैड़ी पर आस्था की डुबकी

धार्मिक स्थल खुलने की अनुमति के बाद हरिद्वार के हरकी पैड़ी पर स्नान के लिए स्नान के लिए श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हो गया है। पहले दिन सीमित संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचे और गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। इस दौरान सभी की स्क्रीनिंग भी की गई, जिसके बाद ही उन्हें अनुमति दी गई।

हरकी पैड़ी पर आधिकारिक रूप से अभी कोई भी धार्मिक कर्मकांड आरती, शुरू नहीं हुई है। इसकी वजह जिलाधिकारी हरिद्वार के जरिए अभी तक इस मामले में गाइडलाइन का जारी न किया जाना बताया जा रहा है। हालांकि स्थानीय लोगों ने हर की पौड़ी पर पहुंचकर इस स्नान करना शुरू कर दिया है। पर इनकी संख्या बेहद सीमित है।

न्यूज डायरी

नेपाल मूल के 49 मजदूरों को किया रवाना

संवाददाता देहरादून। कोरोना वायरस संक्रमण के फंसे मजदूरों को उनके घर भेजा जा रहा है। सोमवार को नेपाल मूल के 49 मजदूरों को बागेश्वर से उनके वतन रवाना किया गया। उन्हें शारीरिक दूरी नियमों का पालन आदि के बारे में विस्तार से जानकारी दी की गई। जिलाधिकारी रंजना राजगुरु के निर्देश पर जिला प्रशासन ने डिग्री कालेज में मजदूरों का थर्मल स्क्रीनिंग और स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। उन्हें चाय, नाश्ता दिया गया। डिग्री कालेज परिसर से एक बस और दो मैक्स वाहन में 49 मजदूरों को उनके वतन भेजा गया।

शासन के अगले आदेश तक बंद रहेगा कालिका माता मंदिर

संवाददाता देहरादून। लंबे समय से लॉकडाउन के चलते मंदिरों को आज से खुलना था लेकिन नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मंदिरों को अगले आदेश तक के लिए बंद कर दिया गया है लेकिन राजधानी के कई क्षेत्रों में मंदिरों में लोगों ने सामाजिक दूरी बनाकर पूजा अर्चना की। यहां मंदिर से सेवादार प्रतीक मैनी ने बताया कि भवन श्री कालिका माता मंदिर समिति शासन के अगले निर्देश तक बंद रहेगा। उन्होंने कहा कि आज मंदिरों को खुलने की तिथि के चलते भक्तजन मंदिर पहुंचे और मंदिर बद होने के कारण प्रातः मंदिर से निराश होकर लौटे और उनमें काफी मायूसी छाई हुई थी कि तीन महीने हो गए हैं अभी तक मां जगदंबा के दर्शन करे हुए परंतु इस कोरोना वायरस कोविड 19 महामारी के चक्कर में मंदिर को दोबारा से बंद कर दिया गया।

भारती एक्सा लाईफ इंश्योरेंस का रिन्यूअल प्रीमियम 1,359 करोड़ रु. हुआ

संवाददाता देहरादून। भारती एक्सा लाईफ इंश्योरेंस, भारत के अग्रणी बिजनेस समूहों में से एक, भारती इंटरप्राईजेस एवं दुनिया की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनियों में से एक एक्सा के बीच संयुक्त उपक्रम ने आज बताया कि कंपनी ने 31 मार्च, 2020 को समाप्त हुए वर्ष में 17 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,359 करोड़ रु. का रिन्यूअल प्रीमियम दर्ज किया, जो वित्तवर्ष 2018–19 में 1,164 करोड़ रु. था। कंपनी की कुल प्रीमियम आय वित्तवर्ष 2019–20 में 5 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2,187 करोड़ रु. हो गई, जो 2018–19 में 2,076 करोड़ रु. थी। कंपनी ने बताया कि वित्तवर्ष 2019–20 में इसकी नई बिजनेस प्रीमियम आय 829 करोड़ रु. थी, जो एक साल पहले इसी अवधि में 911 करोड़ रु. थी। एस्सेट अंडर मैनेजमेंट में 21 प्रतिशत का उछाल आया और यह 31 मार्च, 2020 को समाप्त हुए साल के लिए 6,902 करोड़ रु. हो गया। 31 मार्च, 2019 को यह 5,699 करोड़ रु. था।

30 जून तक नहीं शुरू होगी बदरीनाथ–केदारनाथ धाम की यात्रा

प्रदेश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए लिया फैसला

संवाददाता देहरादून। बदरीनाथ और केदारनाथ धाम की यात्रा 30 जून तक नहीं शुरू होगी। यह फैसला जिला प्रशासन चमोली–रुद्रप्रयाग और हक हकूकधारियों (मंदिर की व्यवस्थाएं देखने वाले ग्रामीण) की बैठक में लिया गया। राज्ध्य सरकार ने देवस्थानम बोर्ड को इस पर हकहकूधारियों से बाताचीत के बाद निर्णय लेने का अधिकार दिया था। इन सभी पक्षों की सोमवार दोपहर बैठक हुई।

चारधाम यात्रा शुरू करने का जिम्मा उत्तराखंड चारधाम देवस्थानम प्रबंधन बोर्ड को सौंपे जाने के सरकार के फैसले के बाद बोर्ड सक्रिय हो गया है। बोर्ड के सीईओ एवं गढ़वाल कमिश्नर रविनाथ रमन के अनुसार हक–हकूकध ारियों की राय के आधार पर ही यात्रा के संबंध में फैसला लिया गया। इस क्रम में चमोली व रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी सोमवार को बदरीनाथ व केदारनाथ के तीर्थ पुरोहितों, हक–हकूकधारियों के साथ बैठक कर विमर्श किया गया। जिसमें बदरीनाथ और केदारनाथ धाम की यात्रा 30 जून तक नहीं शुरू करने का फैसला लिया गया।

बात दें कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए चारधाम बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री के हक–हकूकधारी फिलहाल चारधाम यात्रा के पक्ष में नहीं हैं। वे यात्रा शुरू करने का निरंतर विरोध भी करते आ रहे हैं। उनकी आशंका ये है कि यदि चारधाम यात्रा शुरू हुई तो इन क्षेत्रों में भी कोरोना संक्रमण की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

सोशल डिस्टेंसिंग की खुलेआम धज्जियां उड़ाते हुए लोग।

घंटाघर में उमड़ा ट्रेफिक

दिल्ली से लौटे शख्स की क्वारंटाइन सेंटर में मौत

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में कोरोना संक्रमण का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। सोमवार को दो बजे तक 25 नए मामले सामने आए हैं, जबकि 135 स्वस्थ हुए लोगों को डिस्चार्ज किया गया। प्रदेशभर में अब कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा 1380 पहुंच गया है, जिसमें 697 केस एक्टिव हैं, जबकि 663 लोग पूरी तरह स्वस्थ हो चुके हैं। वहीं, 14 कोरोना संक्रमितों की मौत भी हो चुकी है। इतना ही नहीं क्वारंटाइन सेंटरों में मौतों के मामले भी लगातर बढ़ रहे हैं। सोमवार को दिल्ली से लौटे एक शख्स की क्वारंटाइन में संदिग्ध हालत में मौत हो गई। उसका कोरोना सैंपल जांच के लिए भेजा गया है।

उत्तराखंड में दो बजे तक कोरोना के 25 नए मामल

दरअसल, संजयनगर, खेड़ा निवासी 46 वर्षीय संजय विश्वास दिल्ली में नौकरी करता था। सोमवार सुबह वह दिल्ली से रुद्रपुर स्थित रामपुर बॉर्डर पर पहुंचा। यहां जांच के बाद उसे राधा स्वामी सत्संग भवन में क्वारंटाइन के लिए भेज दिया गया था। बताया जा रहा है कि राधा स्वामी सत्संग भवन पहुंचते ही उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। आनन–फानन उसे जिला अस्पताल लाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग ने उसका कोरोना सैंपल जांच के लिए भेज दिया है। रिपोर्ट के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महाराष्ट्र से लौटे दो लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिवः चम्पावत जिले के जनपद में कोरोना संक्रमितों की संख्या दिन–ब–दिन बढ़ती जा रही है। जनपद में विगत चार दिन से लगातार कोरोना संक्रमित मिल रहे हैं। पांचवें दिन भी यह सिलसिला जारी रहा। सोमवार को हल्द्वानी से आई जांच रिपोर्ट में दो लोग कोरोना संक्रमित मिले हैं, जिसके बाद जनपद में कोरोना संक्रमितों की संख्या 48 पहुंच गई है।

सीएमओ डॉ. आरपी खंडूड़ी ने बताया कि कोरोना संक्रमित मिले दोनों व्यक्ति महाराष्ट्र से आए हैं। इनमें एक व्यक्ति शारदा इंटर कॉलेज बनबसा में तो दूसरा पूर्णागिरि होटल में क्वारंटाइन किया गया था।

कोरोना संक्रमित एएसआइ को दून अस्पताल किया शिफ्ट

संवाददाता देहरादून। जौलीग्रांट हॉस्पिटल में भर्ती दिल्ली पुलिस के एएसआइ की जांच के बाद रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद सोमवार को संक्रमित पुलिस अधिकारी को जौलीग्रांट हॉस्पिटल से दून हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। डोईवाला हॉस्पिटल अधीक्षक डॉक्टर केएस भंडारी ने बताया कि दिल्ली पुलिस में अधिकारी चार जून को दिल्ली से अपने घर जौलीग्रांट आया था। पांच जून को बुखार–खांसी होने पर वह हिमालयन हॉस्पिटल जौलीग्रांट भर्ती हो गए थे। सात जून की रात को उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। उन्होंने बताया कि सोमवार को उन्हें दून हॉस्पिटल शिफ्ट कर दिया गया है साथ ही नगर पालिका वार्ड नंबर 15 जौलीग्रांट आसपास कुछ एरिया को सुरक्षा की दृष्टि से सैनिटाइजर कर सील कर दिया गया है। एएसआइ के परिवार में उनकी बेटी और पत्नी है फिलहाल, उन्हें होम क्वारंटाइन किया गया है।